अनुक्रमणिका

अध्याय	पृष्ठ संख्या
➢**भूमिका**	I-IX
➢**पहला अध्याय** साहित्य के समाजशास्त्र का स्वरूप	1-39
➢**दूसरा अध्याय** संजीव : परिवार, परिवेश, प्रकृति एवं रचना-संसार	40-67
➢**तीसरा अध्याय** संजीव के उपन्यासों की कथावस्तु का समाजशास्त्रीय विश्लेषण	68-138
➢**चौथा अध्याय** संजीव की कहानियों की कथावस्तु का समाजशास्त्रीय विश्लेषण	139-193
➢**पाँचवां अध्याय** संजीव के कथा-साहित्य में समाजार्थिक चिंतन का स्वरूप	194-244
➢**छठवां अध्याय** संजीव के कथा-साहित्य में आंचलिकता बोध	245-293
➢**सातवां अध्याय** वैश्वीकरण का परिप्रेक्ष्य और संजीव का कथा-साहित्य	294-317
➢**आठवां अध्याय** संजीव के कथा-साहित्य की भाषा एवं शिल्प विधान	318-416
➢**उपसंहार**	417-437
➢**साक्षात्कार**	438-452
➢**संदर्भ ग्रंथ सूची**	453-459